भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2396

मंगलवार, 16 मार्च, 2021/25 फाल्गुन, 1942 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

देश में चाय पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना

2396. श्रीमती शांता क्षत्रीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार चाय बागानों की ओर पर्यटन को आकर्षित करने का विचार रखती है; और

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि चाय पर्यटन चाय बागानों के लिए अतिरिक्त आय का एक प्रभावी स्रोत हो सकता है और साथ ही सरकार के लिए राजस्व उत्पन्न कर सकता है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ख): पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों के विकास और संवर्धन का कार्य मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) प्रशासनों द्वारा किया जाता है। तथापि पर्यटन मंत्रालय प्रत्येक वर्ष निधियों की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता तथा योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन की शर्त पर विभिन्न राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को उनके परामर्श से प्राथमिकता प्रदत विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करता है।

देश के चाय उत्पादक क्षेत्रों में चाय पर्यटन के विकास की संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, सिक्किम, नागालैंड, मेघालय, मिजोरम तथा बिहार राज्य शामिल हैं। चाय पर्यटन के एक भाग के रूप में चाय उत्पादन की जटिलताओं, चाय के विभिन्न प्रकारों, बागान में प्रचालन आदि के माध्यम से पर्यटकों के समक्ष चाय का प्रदर्शन किया जा सकता है जिसके लिए चाय बागानों के भीतर गैर कृषि क्षेत्र, छोटे चाय उत्पादकों के बागों और ऐसे पर्यटक गंतव्यों में जहां पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं और हवाई अड्डों आदि पर खानपान और आवास, होमस्टे बुटीक आदि जैसी अवसंरचना की स्थापना की जा सकती है ।

चाय बागानों में पर्यटन के संवर्धन के लिए राज्य सरकारें तदनुसार अनेक पहले कर रही है।

पूर्वोत्तर राज्यों के चाय बागानों में चाय पर्यटन की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए नीति आयोग भी चाय पर्यटन के संवर्धन के लिए पूर्वोत्तर राज्यों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

*****